Date: / /

नवजात शिशु की शारीरिक विशेषताएँ

नवजात शिशु के शारीरिक विकास की विवेचना निम्नलिखित वर्णित है।

लम्बाई तथा भार →

जन्म के समय एक सामान्य शिशु की औसत लम्बाई 19.5 इंच तथा भार लगभग 7.5 पौण्ड होता है वंशानुक्रम और वातावरणीय कारकों के प्रभाव के कारण इसमें परिवर्तन भी हो सकता है। ऐसा देखा गया है कि जन्म के समय बालक लम्बाई तथा भार में बालिकाओं से कुछ अधिक होते हैं इनके अतिरिक्त अन्य और कई ऐसे तत्व हैं जो शिशु की लम्बाई तथा भार को प्रभावित करते हैं।

1- माँ का भोजन →

यदि माँ का आहार संतुलित व पौष्टिक नहीं होता है विशेष रूप से उसमें धात्विवर्धक तत्व प्रोटीन की कमी रहती है तो शिशु की लम्बाई व भार कम रहता है।

आर्थिक स्थिति →

माता-पिता की आर्थिक सम्पन्नता तथा विपन्नता शिशु की

II

Date: / /

लम्बाई तथा को प्रभावित करती है।
यदि माता-पिता साधन-सम्पन्न है अतः माँ का आहार गुण और परिणाम दोनों को अच्छा होता है तब शिशु पर स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

गिब्सन - (Gibson) महोदय ने अपने अध्ययनों मे पाया कि जिनका आर्थिक स्तर निम्न होता है उनके बच्चे आकार मे छोटे तथा भार मे न्यून होते है.

शिशु की गर्भकालीन क्रियाशीलता →

वैज्ञानिको के मतानुसार जो शिशु गर्भ में अधिक क्रियाशील रहते है। तो उनकी शक्ति का उपभोग अधिक माता मे होता है। फलस्वरूप ऐसे शिशु जन्म के समय दुबले और कम भार के होते है तो उनकी शक्ति का उपयोग अधिक माता मे होता है।
फलस्वरूप ऐसे शिशु जन्म के समय दुबले और कम भार के होते है।

सोनटॉग महोदय के अनुसार →

यदि भ्रूण अधिक क्रियाशील होता है तो उसकी लम्बाई व भार कम होने की सम्भावित रहती है।

बालक का जन्म क्रम

मेरीडिथ के अनुसार →

गर्भवती स्त्री का पहला बच्चा बाद के बच्चों की अपेक्षा लम्बाई मे 1% छोटा तथा 4% हल्का होता है।

प्राचार्य
मोती लाल मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया